देवव्रत

¼ महाकाव्य ½

शिव कुमार मिश्र
आई.ओ.एफ.एस.
संयुक्त महाप्रबंधक
आयुध निर्माणी,इटारसी

प्रकाशन

समर्पण

पिता रूप में अवतरित भूतल पर भगवान।
परम दयालु सदैव ही शुभ चिंतन आधान॥

पुरूषार्थी त्यागी सरल सजग क्षिप्र हर-भक्त।
अनघचरित परहितनिरत आगम में अनुरक्त ॥

स्नेहसिंधु प्रेरक सतत् सोढा अमित उदार।
शतष: पद युग में नमन सकल खेद अपहार॥

तव आशिष से ही मिले जीवन धृति मति गात्र।
करता अर्पित देवव्रत हर्षित पुत्र अपात्र॥

अनुक्रमणिका

क्रमांक	अध्याय क्रम	अध्याय नाम	पृष्ठ संख्या	पद्य संख्या
I		देवव्रत मेरी दृष्टि में	i-vii	-
II		प्राक्कथन	A1 – A7	
III		महाभारत एक संक्षिप्त परिचय	A8 – A35	
IV		भीष्म चरित्र व्यास जी के अनुसार	A36 – A91	
V		महाभारतेतर साहित्य में भीष्म	A92 – A99	
01	अध्याय प्रथम	आरम्भ	1-5	38
02	अध्याय द्वितीय	अवतार	6-14	59
03	अध्याय तृतीय	प्रतिश्रुति	15-21	49
04	अध्याय चतुर्थ	अनुताप	22-28	42
05	अध्याय पंचम	चित्रांगद	29-34	33
06	अध्याय षष्ठ	अपकर्म	35-47	76
07	अध्याय	अवज्ञा	48-55	37

	सप्तम			
08	अध्याय अष्टम	सत्यवती	56-64	56
09	अध्याय नवम	सिंहावलोकन	65-77	37
10	अध्याय दशम	राजसूय	78-90	80
11	अध्याय एकादश	विदुर	91-102	81
12	अध्याय द्वादश	संदेश	103-113	67
13	अध्याय त्रयोदश	अन्तिम प्रयास	114-120	40
14	अध्याय चतुर्दश	आहव	121-144	150
15	अध्याय पंचदश	शिखण्डी	145-151	82
16	अध्याय षोडश	उद्घाटन	152-171	124
17	अध्याय सप्तदश	चिन्तन	172-187	80
18	अध्याय अष्टादश	राजधर्म	188-204	101
19	अध्याय एकोनविंश	उद्बोधन	205-219	46
20	अध्याय विंश	आरोहण	220-231	67
		कवि परिचय	i - vi	

कुल पद्य संख्या - 1345

ग्रन्थ में प्रयुक्त मुख्य छंद

हिन्दी के छंद संस्कृत वृत्त

क्रमांक	छंद का नाम	संख्या	क्रमांक	छंद का नाम	संख्या
1	सरसी	200	1	पंचचामर	15
2	सार	166	2	वियोगिनी	11
3	दोहा	150	3	भुजंग प्रयात	8
4	रूपमाला	107	4	प्रमिताक्षरा	7
5	कुण्डल	100	5	द्रुत विलंबित	6
6	रोला	95	6	मंजुभाषिणी	5
7	प्रसाद	78	7	वंषस्थ	5
8	मराल	73	8	रथोद्धता	4
9	हरिगीतिका	70	9	तोरक	4
10	गीतिका	45	10	रूचिरा	4

11	विष्णुपद	33	11	मालिनी	2
12	सवैया	32	12	स्वागता	2
13	पीयूष वर्ष	26	13	पुष्पिताग्रा	1
14	ताटंक	25	14	बसंत तिलका	1
15	वीर	22		कुल छंद	75
16	कुण्डलिया	4			
17	सोरठा	1			
18	घनाक्षरी	1			
कुल छंद		1228			